राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण : प्रो. अर्जुनदेव

जोधपुर में 'सौभाग्यसिंह शेखावत : जीवण अर सिरजण' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी परिसंवाद आयोजित हुआ।

जोधपुर, (कासं)। राजस्थानी साहित्य में एक तरफ जहां सत्ता में बैठे सर्वोच्च लोग कवियों के पांव पूजते थे यहीं दुर्भाग्य यह है कि देश की आजादी के छियत्तर वर्ष बाद भी इस भाषा को संवैधानिक मान्यता नहीं मिली। राजस्थान वीरों की भूमि है। इसके प्रमाण देने के साथ ही राजस्थानी भाषा-साहित्य आने वाली पीढ़ी को नई जमीन प्रदान करती है। सौभाग्यसिंह शेखावत जैसे विद्वान इसी राजस्थानी भाषा-साहित्य की हेमाणी के सच्चे साधक थे। यह विचार ख्यातनाम कवि-आलोचक प्रोफेसर (डॉ.) अर्जुनदेव चारण ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में साहित्य अकादेमी एवं जेएनवीयू के राजस्थानी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होटल चन्द्रा इम्पीरियल में आयोजित 'सौभाग्यसिंह शेखावत : जीवण अर सिरजण' विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी परिसंवाद में व्यक्त किये।

संगोष्ठी संयोजक एवं राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने बताया कि इस अवसर पर सारस्वत अतिथि जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) कन्हैयालाल श्रीवास्तव ने कहा कि राजस्थान भाषा एक समृद्ध एवं स्वतंत्र भाषा जिसे संवैधानिक मान्यता मिलनी चाहिए।

उन्होंने इस संबंध में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अगर समय रहते राजस्थानी को संवैधानिक नहीं मिली तो राजस्थानी संस्कृति खत्म हो जायेगी। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने सौभाग्यसिंह शेखावत को राजस्थानी का एक सजग मौन साधक बताया। प्रोफेसर (डॉ.) कल्याणसिंह शेखावत ने अपने मुख्य आतिथ्य उदबोधन में कहा कि सौभाग्यसिंह शेखावत की ज्ञानदृष्टि अद्भुत थी, जिसकी वजह से उन्होंने राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं संस्कृति के इतिहास विषयक महत्वपूर्ण सृजन किया।

उन्होंने कहा कि उनका सृजन राजस्थानी साहित्य की अनमोल धरोहर है। उदघाटन सत्र का संचालन डॉ.इन्द्रदान चारण ने किया।

इस अवसर पर साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाशित राजस्थानी विशेषांक समकालीन भारतीय साहित्य एवं डॉ. गजेसिंह गजेसिंह राजपुरोहित की संपादित पुस्तक पारस अरोड़ा री साहित्य साधना का लोकार्पण किया।

परिसंवाद में आयोजित दो साहित्यिक सत्रों के अंतर्गत पृथ्वीराज रतनू ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन मांय वांनै राजस्थानी भाषा-साहित्य का कर्मठ साधक बताया तो डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने अपने अध्यक्षीय उदबोधन में सौभाग्यसिंह शेखावत को अेक लोक चितेरा गद्यकार बताते हुए उनके साहित्य की विवेचना की। इस अवसर पर नीलू शेखावत ने सौभाग्यसिंह शेखावत का जन्म एवं जीवन संघर्ष, डॉ. संजय कुमार शर्मा - राजस्थानी विद्यापीठ में सौभाग्यसिंह शेखावत का शोधकार्य, डॉ.मदनसिंह राठौड़- सौभाग्यसिंह शेखावत का राजस्थानी साहित्य एवं इतिहास में योगदान एवं डॉ. सद्दीक मोहम्मद राजस्थानी शोध संस्थान संस्थान चौपासनी में सौभाग्यसिंह शेखावत का सृजन विषय पर महत्वपूर्ण आलोचनात्मक शोध पत्र प्रस्तुत किये। साहित्यिक सत्रों का संचालन डॉ. जीवराजसिंह चारण एवं तरनिजा मोहन राठौड ने किया।

राजस्थानी परिसंवाद के समापन सत्र में प्रतिष्ठित राजस्थानी विद्वान एवं इतिहासविद प्रोफेसर जहूर खां मेहर ने सौभाग्यसिंह शेखावत के साहित्यिक व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा उन्होंने जीवनभर ईमानदारी से राजस्थानी भाषा-साहित्य एवं संस्कृति विषयक महत्वपूर्ण शोधकार्य संपादित किये। मुख्य अतिथि ख्यातनाम कवि-आलोचक डॉ.अर्जुनदेव चारण ने कहा कि लोक का ज्ञान हमेशा शास्त्रीय ज्ञान से बड़ा होता है। संगोष्ठी संयोजक डॉ.गजेसिंह राजपुरोहित ने सभी मेहमानों एवं उपस्थित लोगो का आभार प्रकट किया। सत्र का संचालन संतोष चौधरी ने किया।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। तत्पश्चात पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहनसिंह के देवलोक गमन होने पर दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।समारोह में प्रतिष्ठित रचनाकार प्रोफेसर सत्यनारायण, प्रोफेसर कौशलनाथ उपाध्याय, कल्याण सिंह राठौड़, डॉ.चांद कौर जोशी, बसंती पंवार, माधव राठौड़, निर्मला राठौड, नीतू परिहार, पूजा राजपुरोहित, रेणू वर्मा, दमयंति कच्छवाह, संतोष चौधरी, डॉ. महेन्द्रसिंह तंवर, मोहनसिंह रतनू, राजेन्द्र बारहठ, भंवरलाल सुथार, तरनिजा मोहन राठौड, डॉ. कालूराम परिहार, रामरतन फिड़ोदा, खेमकरण लालस, डॉ.कप्तान बोरावड़, डॉ. सवाईसिंह चारण, डॉ. अमित गहलोत, डॉ. जितेन्द्र सिंह साठिका, पृथ्वीसिंह राठौड, रविन्द्र कुमार चौधरी, श्रवणराम भादू, शिवानी जोधा, नीतू राजपुरोहित, सुरभी खींची, माधोसिंह, कंवरसिंह राव, विष्णुशंकर, मगराज, शांतिलाल, अभि पंडित आदि मौजूद रहे।

वर्षों से सड़क पर रह रही वृद्धा को समझा कर घर भेजा

- प्रशासन व जिला कलैक्टर के संवेदनशील प्रयासों से पाली में 25 वर्षों से सड़क पर बैठी वृद्ध महिला को समझा कर परिवार के साथ भेजा
- महिला अधिकारिता विभाग व सखी सेंटर, पुलिस ने निभाई सक्रिय भूमिका

पाली, (नि.सं.)। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री व जिला प्रशासन के संवेदनशील प्रयासों से शुक्रवार देर शाम को 25 साल से सड़क पर बैठी एक वृद्धा को समझा कर घर भेजा गया।

उपनिदेशक महिला अधिकारिता विभाग भागीरथ चौधरी ने बताया कि उन्हें जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने इस प्रकरण के बारे में बताते हुये इसमें समुचित कदम उठाने के लिये कहा।

इस प्रकरण में उपनिदेशक भागीरथ ने जानकारी करते हुये पता लगा कि एक वृद्ध महिला जो की गांधी मूर्ति के पास कई सालों से बैठी रह रही थी। जिला कलक्टर मंत्री ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए इसके निर्देश दिये इस पर उपनिदेशक भागीरथ चौधरी व केस वर्कर द्वारा मौके पर पहुंच कर महिला को सखी सेन्टर कि जानकारी दी गई।

शनिवार को उपनिदेशक के आदेशानुसार केन्द्र प्रबंधक देवी बामणिया ने इस प्रकरण में कार्यवाही करते हुए कट्रोल रूम फोन कर एक महिला कास्टेबल को बुलाया गया। तत्पश्चात मौके पर पहुंच कर महिला के प्रकरण केन्द्र प्रबंधक द्वारा वहाँ की एक दुकान पर जाकर दुकानदार से महिला के परिवार की जानकारी ली गई व महिला के दामाद के नम्बर दिये। महिला के दामाद को फोन कर गांधी मूर्ति उपस्थित होने का कहा गया व महिला की बेटी को भी साथ लाने का कहने पर दोनो पक्षकार उपस्थित हुए।

केन्द्र प्रबंधक द्वारा महिला से यहा रहने का कारण पुछने पर बताया कि मेरे 8 बच्चे है। पति का देहान्त हो चुका है और उन्हें परिवार से कोई नही रखता व ना ही मेरा खर्चा उठाते है। इसलिए स्वयं की ईच्छा से 25 सालो से यहा पर रहकर अपना जीवन व्यतीत कर रही हूं।

केन्द्र प्रबंधक द्वारा महिला को आश्वासन दिया गया कि आप निश्चित रहकर हमारे सेन्टर पर चलिए हम आपके बेटो को बुलाकर समझाईश के माध्यम से उनको अपनी जिम्मेदारी के लिए समझायेगे जिसमें आपको अपना बिछडा हुआ परिवार मिल जायेगा।

महिला ने सखी सेन्टर पर विश्वास करते हुए अपनी बेटी दामाद के साथ जाने की ईच्छा जाहिर की। बेटी व दामाद के उपस्थित होने पर बताया कि मेरी माँ कई वर्षों से यहां पर रह रही है।

बताया कि हम घर लेकर जाते है तो यह घर पर रहती नही है, वापस यहा आने कि जिद करती है। हम चार भाई बहन है एक भाई कि मृत्यु हो चुकी है। मेरी मां का मानसिक संतुलन ठीक नही होने के कारण यह किसी के साथ नही रहती है। उन्होंने कहा कि मैं स्वय भी इनको रखना चाहती हूं, परन्तु हमारे घर पर भी नहीं रहती है।

केन्द्र प्रबंधक द्वारा महिला की बेटी व दामाद को महिला की वृद्धावस्था को देखते हुए उनको मनोरोग चिकित्सकीय सुविधा जो सेन्टर से निःशुल्क दी जाती है। साथ ही कहा कि इनको अपने घर ले जाओ क्योकि सर्दियों का समय है व रात्रि के समय इनके लिए यह एक सुरक्षित स्थान नही है। जिसमें महिला की बेटी व दामाद ने महिला की समस्त जिम्मेदारी उठाने का विश्वास दिलाया।

इस प्रकार महिला की समस्या का समाधान करने के उद्देश्य से बेटी व दामाद के साथ सफल समझाईश कर उपनिदेशक भागीरथ चौधरी के निर्देशन में केन्द्र प्रबंधक देवी बामणिया व केस वर्कर सोनिया जोशी तमन्ना मारू व सुरक्षा कर्मी और महिला कास्टेबल रविना बेल्ट नम्बर 767 की उपस्थिति में महिला को सुरक्षित अपनी पुत्री व दामाद के साथ भेजा गया।

जिला कलैक्टर पाली एलएल मंत्री का कहना है कि मामले की जानकारी हुयी प्रकरण को महिला अधिकारिता को कदम उठाने के लिये कहा। ऐसे कार्य स्वंय की प्रंशसा कराने के लिये नही आत्मसंतुष्टि व सरकारी सेवा में यदि आपको मौका मिला है तो ऐसे कार्य सभी राजकीय कार्मिको व सक्षमजनों को करना चाहिये।

उपनिदेशक महिला अधिकारिता पाली भागीरथ चौधरी ने बताया कि जिला कलैक्टर के निर्देशानुसार मामले की जानकारी कर दो दिन की समझाईश से भेजा गया जिला कलक्टर का मार्गदर्शन व सखी सेंटर व पुलिस का पूर्ण सहयोग रहा।

कमरे में दंपती का शव मिला

- पुलिस बोली, सिगड़ी जलाकर सोये
- बेटा बोला, कमरे में मामा भी थे, उन्हें कुछ नहीं हुआ
- कमरे में अगरबत्ती, नींबू पानी का लोटा, काली डोरी, मोली और परात में सिंदूर पड़ा था

पाली, (नि.सं.)। पाली में कमरे में दंपती की डेडबॉडी मिली। बेटा लगातार कॉल कर रहा था। जब फोन नहीं उठाया तो वह घर पहुंचा। वहां माता-पिता अचेत मिले। पुलिस का कहना है कि कमरे में वे अंगीठी जलाकर सोये थे, हो सकता है दम घुटने से मौत हुई हो। बेटे का कहना है कि उसी कमरे में एक रिश्तेदार भी था, उसे कुछ नहीं हुआ। मामला शहर के रामलीला मैदान इलाके में शहीद नगर का है। रविवार सुबह 8 बजे पति-पत्नी के शव मिले।

सीओ सिटी देरावर सिंह सोडा ओर कोतवाली थाना प्रभारी सहित पुलिस टीम सवेरे मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया और बताया कि बताया-शहर के शहीद नगर कॉलोनी के मकान में कमरे में घेवरदास (53) पुत्र लक्ष्मी दास और उनकी पत्नी इंद्रा देवी (48) मृत मिले। अंगीठी के धुआं से दम घुटने के कारण मौत की आशंका है। परिवार ने मौत के कारण की जांच की मांग की है। पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद स्थिति साफ होगी।

घेवरदास के बेटे प्रकाश ने बताया-मम्मी पापा को मैंने सुबह 8 बजे कॉल किया। कई कॉल करने पर भी फोन नहीं उठाया तो मैं घर पहुंचा। मैं उसी इलाके में दूसरे मकान में रहता हूं। सुबह 8 बजे घर पहुंचकर मैंने दरवाजा खटखटाया। काफी देर तक दरवाजा नहीं खोला। मैंने ऊपर जाकर दूसरा दरवाजा खटखटाया।

उसी कमरे में रिश्तेदारी में मामा लगने वाले सुंदरदास भी सो रहे थे। उन्होंने दरवाजा खोला।

मम्मी-पापा को जगाया लेकिन वे अचेत थे। मैंने मामा को उठाया। उन्हें बताया कि मम्मी पापा जाग नहीं रहे हैं तो वे बोले कि दोनों सो रहे होंगे।

दोनों को बांगड़ हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रकाश ने कहा कि पुलिस का कहना है कि कमरे में सिगड़ी जलाकर सोये थे, उसी के धुआं से मौत होने की आशंका है, लेकिन उसी कमरे में मामा थे। उन्हें कुछ भी नहीं हुआ। कमरे में सिगड़ी थी लेकिन वह जल नहीं रही थी। पता नहीं उन्होंने रात में सिगड़ी जलाई थी या नहीं जलाई थी। मौत की असली वजह सामने आनी चाहिए। पुलिस अब दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवाएगी। शवो को मॉच्र्युरी में रखवाया गया है।

प्रकाश ने बताया कि शनिवार को कमरे में मम्मी पापा और मामा सोये थे।

पड़ोसी उम्मेदराम ने बताया कि सुबह घेवरदास का बेटा प्रकाश आया था। उसने गेट खुलवाने के लिए खटखटाया लेकिन रिश्तेदार ने गेट नहीं खोला। तब प्रकाश मकान की छत पर गया और लोहे का जाल हटाने की कोशिश की तब रिश्तेदार ने गेट खोला।

अंदर तीन लोग थे। घेवरदास और इंद्रा मृत हालत में मिले। रिश्तेदार घबराया हुआ था। कमरे में नींबू पानी का लोटा, अगरबत्ती, काली डोरी, मोली और परात में सिंदूर पड़ा था।

पुलिस ने सुंदरदास को पूछताज के लिए हिरासत में लिया है।

'कला साहित्य संस्कृति के लिए वर्ष रहा तिरस्कृत'

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान कला साहित्य संस्कृति के लिए वर्ष 24 सूखा और तिरस्कृत रहा है

पूर्व राज्यमंत्री और संगीत नाटक अकादमी के पूर्व अध्यक्ष संस्कृति विद् रमेश बोराणा ने वक्तव्य जारी करते कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने पूरे एक वर्ष साहित्य संस्कृति की उपेक्षा करते हुए सभी 10 राज्य स्तरीय भाषा संस्कृति अकादमियों को निष्क्रिय कर दिया है और उनके लगातार दूसरे वित्तीय वर्ष का बजट लैप्स होने के कगार पर है इस वर्ष का ही लगभग 10 करोड़ रुपया जो सांस्कृतिक उत्थान पर खर्च होना था वो लेप्स हो रहा है।

अनेक अकादमियों द्वारा वित्तीय वर्ष 23-24 में आयोजित किए गए कार्यक्रमों में कलाकारों का मानदेय व सम्मानित साहित्यकारों की स्वीकृत बकाया अवार्ड राशि भी नई सरकार ने जारी नहीं की है

बोराणा ने कहा कि अकादमियों की सक्रियता से प्रदेश में रिकार्ड रचनात्मक आयोजन हुए थे और राज्य में राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रमों से सृजनात्मक माहौल बना था जो वर्ष समाप्त होते शून्य हो गया है प्रदेश में पहली बार वृहद स्तर पर जिला व राज्य कला प्रतियोगिताएँ, लोक कला समागम, राजस्थान साहित्य उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय नाट्यय समारोह सहित, कवि सम्मेलन, गोष्ठियाँ, सेमिनार, पुस्तक प्रकाशन, पुरातन साहित्य व कला विधाओं का संरक्षण सहित अनेक प्रशिक्षण कार्यशालाओं के व्यापक आयोजन हुए थे, लेकिन भाजपा सरकार ने वर्ष पर्यन्त इस क्षेत्र में कुछ भी नहीं किया है।

राजपुरोहित समाज की 280 प्रतिभाओं का सम्मान

रेवदर, (निसं)। राजपुरोहित कर्मचारी संघ सांचौर -चितलवाना द्वारा राजपुरोहित प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन श्रीमनोरमा गोलोक तीर्थ नंदगांव में परम श्रद्धेय गोऋषि दत्त शरणानंद महाराज, दंडी स्वामी देवानंद सरस्वती महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि रघुनाथ सिंह राजपुरोहित सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारी जबकि अध्यक्षता अमराराम पालडी गौरवाध्यक्ष राजपुरोहित महासभा ने की। समारोह में सोनाराम राजगुरु सेवानिवृत अधिशासी अधिकारी, नेमाराम आमली अंबाराम धूडवा,मंजीराम डबाल, सांवलाराम पालडी, मगाराम डबाल, गोविन्द हिन्डवाडा, हितेश कुमार सहायक आचार्य,ब्रह्मदत्त नानरवाडा के विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।

राजपुरोहित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दिनेश कुमार दाता के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप अतिथियों का साफा और माला द्वारा स्वागत किया गया। सचिव मोहनलाल हिन्डवाडा द्वारा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कोषाध्यक्ष प्रवीणकुमार अचलपुर ने आय व्यय का ब्यौरा पेश किया। समारोह में 280 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए गोऋषि स्वामी दत्तशरणानंद महाराज ने कहा कि शिक्षा और संस्कार एक दूसरे के पूरक है। संस्कार सही हो तो शिक्षा सही दिशा में जाएगी। शिक्षा मनुष्य के जीवन का उपहार है जो व्यक्ति के जीवन की दिशा और दशा दोनों बदलता है, और संस्कार जीवन का सार है जिसके माध्यम से मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण और विकास होता है।

दंडी स्वामी देवानंद सरस्वती महाराज ने सरस्वती महाराज ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अध्यात्म और नैतिकता के गुणों को विकसित करती है, जीवन के आदर्श मूल्यों के बारे में सीखाती है।

मुख्य अतिथि रघुनाथ सिंह ने कहा शिक्षा समाज में विवेक, ज्ञान और समर्पण की भावना विकसित करती है। शिक्षा ही जीवन है, शिक्षा से ही संस्कारों का बीजारोपण होता है तथा समाज में जागरूकता उत्पन्न होती है, शिक्षित व्यक्ति सामाजिक स्तर पर कार्य करते हुए आगे बढता है।

मंजीराम डबाल ने कहा शिक्षा आत्मविश्वास विकसित करने के साथ ही व्यक्तित्व निर्माण में सहायता प्रदान करती है, तथा आत्मनिर्भर बनाकर उनके आत्मविश्वास को बढाती हैं। हितेश कुमार सहायक आचार्य ने कहा प्रतिभा सम्मान समारोह को आयोजन करने से विद्यार्थियों को आगे बढाने में प्रोत्साहन मिलता है प्रतिभाओं को दिशा निर्देश तथा मार्गदर्शन प्राप्त होता है और प्रतिभाओं को निखारने का अवसर मिलता है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में भामाशाह के रूप में सहयोग करने पर डूंगराराम बिछावाडी, अमृतलाल बालेरा , रामजीराम बिछावाडी, माधाराम सांचौर, हरसिंगाराम सीलू , मिश्रा राम खिरोडी, विजय कुमार सांचौर, रमेश कुमार दाता, कांतिलाल जोशी का अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राज्य पुरस्कृत शिक्षक जगदीश राजपुरोहित कारोला एवं महेंद्र कुमार आमली ने किया।

कृष्ण लाल बिछावाडी, विठ्ठल कृष्ण,आशाराम देवडा, पारसाराम बालेरा, भूपाराम ओझा , राजेंद्र कुमार डबाल, सांवलाराम रनोदर, रमेश चंद्र ओझा, खीम सिंह खिरोडी, जयंतीलाल दांतिया, प्रकाश दवे, मफतलाल वासन चौहान, राणाराम जैसला, मनीष रनोदर सहित समाज बंधु उपस्थित थे।

राजपुरोहित सेवा न्यास का सम्मान समारोह संपन्न

जोधपुर, (कासं)। राजपुरोहित सेवा न्यास की ओर से समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह रविवार को जोधपुर के डॉक्टर एसएन मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित किया गया।

इसमें ब्रह्म धाम आसोतरा के वेदांताचार्य डॉक्टर ध्यानाराम महाराज के सानिध्य में समाज की 700 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इनमें कक्षा 10 - 12 बोर्ड सहित प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाएं शामिल थी। इसके अलावा समाज के भामाशाहों का भी सम्मान किया गया।

अपने आशीर्वचन में वेदांताचार्य डॉक्टर ध्यानाराम महाराज ने कहा कि समाज संगठित रहकर ही विकास की नई बुलंदियों को छू सकता है। शिक्षा से ही विनम्रता आती है। समाज में शिक्षा के माध्यम से ही बदलाव की नई बयार लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करने चाहिए। एक शिक्षित समाज सशक्त देश का निर्माण करता है।

इसके साथ ही उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने और संस्कारों के साथ आगे बढ़ाने की सीख दी। कहा कि आज के समय में संस्कारों का होना बहुत जरूरी है अपने माता-पिता गुरु की आज्ञा का पालन करें।

ए.डी.राही अवॉर्ड समारोह चार जनवरी को

जोधपुर, (कासं)। नगर की प्रमुख साहित्यिक संस्था तहज़ीब, जोधपुर की ओर से हर वर्ष राज्य स्तर पर उर्दू साहित्य के सर्जनात्माक संठाह को दिये जाने वाले ए.डी.राही अवॉर्ड वितरण समारोह चार जनवरी शनिवार को नेहरू पार्क स्थित डॉ. मदन सावित्री डागा साहित्य भवन में शाम 5 बजे आयोजित किया जायेगा।

संस्था सचिव नफासत अहमद ने बताया कि सन् 2024 के लिये निर्णायक मंडल द्वारा सर्वसम्मति से आदिल रजा मंसूरी (जयपुर) के शेरी मज्मूऐ "सन्नाटे की परछाईं" को अवॉर्ड के लिये चुना है मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश फरज़न्द अली होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता शाइर, चिंतक एवं नक़्क़ाद शीन काफ़ निज़ाम करेंगे। इस अवसर पर जूरी की ओर से डॉ. मुहम्मद हुसैन पुरस्कृत काव्य संठाह पर विचार व्यक्त करेंगे और शाइर व व्याख्याता इश्राक़ुल इस्लाम माहिर 'सन्नाटे की परछाईं' पर पत्रवाचन करेंगे।

राजेन्द्र सूरिश्वर का जन्म दिवस व पुण्यतिथि 6 को

जोधपुर, (कासं)। त्रिस्तुतिक जैन समुदाय के प्रथम आचार्य श्रीमद् विजय राजेन्द्र सूरिश्वर म. सा. का 198 वाँ जन्म दिवस एवं 118 वी पुण्यतिथि 6 जनवरी को पूरे भारतवर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाई जाएगी।

इसी कड़ी में राजेन्द्र सूरी जैन त्रिस्तुतिक संघ, जोधपुर के तत्वावधान में 10 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। अध्यक्ष पारसराज पोरवाल ने बताया कि 30 दिसम्बर को चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, 31 को महामंदिर, 01 जनवरी को अजीत कॉलोनी, 02 को भैरुबाग सरदारपुरा, 03 को गुलाबनगर, 06 को अवंति पार्श्वनाथ खैरादियो का बास में स्थित जैन मंदिरों में विराजित गुरुदेव की प्रतिमाओं का पूजन किया जाएगा।

सचिव हीराचंद भंडारी ने बताया कि 4 जनवरी को सम्भवनाथ-राजेन्द्र जैन मंदिर, अमरनगर एवं 5 जनवरी को राजेन्द्र भवन, खेरादियो का बास में विधिकारक सागर भाई (डीसा) व संगीतकार विनित भाई (फालना) की निश्रा में विधि विधान से संगीतमय महापूजन का आयोजन रखा गया हैं।

संघ सदस्य कमल बाफना ने बताया कि 10 दिवसीय कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था राजेन्द्र मित्र, महिला व बालिका मंडल द्वारा की जा रही है, इस अवसर पर इन सभी मंदिरों में विशेष आकर्षक रोशनी की जाएगी। 6 जनवरी को मुख्य कार्यक्रम की रूपरेखा व व्यवस्था के लिए महेन्द्र सुराणा व भंडारी, गौतम खिवसरा व सिंघवी, सुरेश लूँकड़, रणजीत बाफना, कमलेश व विपिन सेठ, सुरेश व निर्भय भंडारी को जिम्मेदारी सौपी गई हैं।

अमृता हाट 2 से 8 तक आयोजित होगा

पाली, (नि.सं.)। निदेशालय महिला अधिकारिता के आदेशानुसार महिला अधिकारिता एवं जिला प्रशासन की ओर से संभाग स्तरीय अमृता हाट का आयोजन दिनांक 31 दिसम्बर 2024 से 06 जनवरी 2025 तक किया जाना था। जिसकी अवधि में अपरिहार्य कारणां से संशोधन करते हुए परिवर्तित अवधि दिनांक पूर्ववत आयोजन स्थल राजकीय बांगड उच्च माध्यमिक विद्यालय पाली के खेल मैदान में ही किया जायेगा। आयोजन का उद्घाटन 2 जनवरी 2025 को होगा। जिसमें राज्य के सभी जिलों से आए हुए विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा अनेक प्रकार के हस्तनिर्मित उत्पादों की स्टॉल्स लगाई जायेगी। महिला अधिकारिता विभाग उपनिदेशक भागीरथ चौधरी ने बताया कि ग्राहकों द्वारा न्यूनतम 500 रूपये मूल्य की सामग्री की खरीददारी पर कूपन जारी करने की व्यवस्था रहेगी।

जो जिले मापदंड में नहीं थे, उन्हें हटाया गया : जलदाय मंत्री

जोधपुर, (कासं)। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी आज जोधपुर जिले में जल जीवन मिशन की बैठक लेने के लिए जोधपुर पहुंचे।

इस दौरान नए जिलों को लेकर कहा कि जो जिले मापदंड में नहीं थे उन्हें हटाया गया। हमने 2011 की जनगणना के अनुसार मापदंड है उसके आधार पर जिलों को लेकर निर्णय किया गया। जिन जिलों में एसडीएम के करने लायक काम भी नहीं है, वहां जिला कलेक्टर कैसे काम कर पाएगा। इसलिए हमने बिना किसी भेदभाव के ऐसे जिले हटवाए। देश में औसत जिलों का एवरेज 20 लाख आबादी है। हम इसका 50 प्रतिशत कम कर सकते हैं,। लेकिन तीन तीन लाख की आबादी पर जिले कैसे बना सकते हैं। इसलिए जितने भी जिले हटें हैं वो मापदंड पूरा नहीं कर रहे थे। आगे भी कोई भी जिले बने या इन जिलों को हटाने को लेकर कहीं पर भी विरोध होता है तो ऐसे गांव जो 10 लाख ली आबादी से जुड़ना चाहते हैं उन्हें लेकर विचार किया जा सकता है। चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन को लेकर जो काम राजस्थान में मार्च 2024 तक पूरा होना था उसे हम समय पर पूरा नहीं कर पाए। पूरे भारत में सब जगह काम हो गया लेकिन राजस्थान में नहीं कर पाए। हमारे जितने भी पुराने ट्यूबवेल, बोरवेल, हैडपंप हैं उन्हें दुरुस्त करवाने का काम किया जा रहा है। पांच साल पुराने हैडपंपो की डिटेल मंगवाई जा रही है। कहीं पर पानी लीकेज हो रहा है, कई पर पानी की चोरियां की जा रही है। इन सभी पर मीटिंग में चर्चा होगी।

उन्होंने कहा कि जहां भी खुले बोरवेल है उससे भविष्य में हादसे नहीं हो इसको लेकर निर्देशित किया गया है। कई जगहों पर प्राइवेट काश्तकार भी ट्यूबवेल खुदवाता है। उसे भी चेक करवाया जाएगा कि उसमें परमिशन ली है या नहीं। चौधरी ने कहा कि हर घर कनेक्शन करने से पहले हमें सोर्स को ढूंढना था,पानी उठाने के सिस्टम डेवलप करने थे, फिल्टर प्लांट बनाने चाहिए थे, राइजिंग लाइन बनने के बाद हर घर कनेक्शन देने चाहिए थे लेकिन समस्या की हर जगहों पर घर-घर कनेक्शन तो कर दिए गए लेकिन जहां से पानी उठाने की व्यवस्था करनी थी वह नहीं कर पाए। अब उन पर काम कर रहे हैं। उनके प्रोजेक्ट बना रहे हैं टेंडर निकाल रहे हैं इस पूरे काम में 2 से 3 साल लगेंगे। उपभोक्ता को पानी कैसे मिले इस पर काम किया जा रहा है।

जोधपुर पोलो-2024 : जयपुर ने बेदला चांदना को हराकर कप जीता

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के तत्वावधान में महाराजा गजसिंह स्पोर्ट्स फाउण्डेशन पोलो मैदान, लेफ्टिनेंट जनरल एवीएम एच.एच. महाराजा उम्मेदसिंह जी एयरपोर्ट रोड, पाबूपुरा में चल रहे 25वें जोधपुर पोलो सीजन 2०24 में रविवार को दर्शकों से खचाखच भरे मैदान में महाराजा ऑफ जोधपुर गोल्डन जुबली कप (8 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल जयपुर व बेदला चांदना टीम के बीच दोपहर 3 बजे खेला गया। फाइनल में जयपुर ने बेदना चांदना टीम को पांच के मुकाबले सात गोल कर दो गोल के अन्तर से हराया। जयपुर टीम के लांस वाटसन ने बेहद शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए टीम को कप दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मैच के चैथे चक्कर में महाराजा जयपुर ने बेहतरीन खेलते हुए चाक-क्षेत्ररक्षण के बावजूद गोल कर दर्शकों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया।

जोधपुर पोलो के संरक्षक गजसिंह व मुख्य अतिथि के रूप में इंटरनेशनल पोलो फेडरेशन की सिल्विया डी डूरंगा मैदान में उपस्थित थीं जिन्होंने खेल की शुरुआत में गेंद फेंककर खेल शुरु करवाया। मैच समाप्ति पर गजसिंह व मुख्य अतिथि ने विजेता टीम के I को कप व ट्रॉफियां प्रदान की।

जोधपुर पोलो एवं इक्यूस्टेरियन इंस्टीट्यूट, जोधपुर के सचिव इन्द्रजीत सिंह नाथावत ने बताया कि बेदला चांदना टीम की ओर से खेलते हुए टीम के चार हैण्डीकेप के अर्जेन्टीना के खिलाडी फेड्रिको बोडो ने पहले, दूसरे व चैथे चक्कर में एक-एक गोल, तीन हैण्डीकेप के अभिमन्यु पाठक व हिम्मतसिंह बेदला ने दूसरे चक्कर में एक-एक गोल किया। टीम ने तीसरे चक्कर में कोई गोल नहीं किया गया। मुकाबले में जयपुर टीम की ओर से खेलते हुए टीम के चार हैण्डीकेप के साऊथ अफ्रीकी खिलाडी लांस वाटसन ने पहले व तीसरे चक्कर में एक-एक व चौथे चक्कर में दो गोल किए। साथी खिलाडी तीन हैण्डीकेप के सिमरन सिंह शेरगिल ने पहले व दूसरे चक्कर में एक-एक व तीन हैण्डीकेप खिलाडी एच.एच. महाराजा जयपुर सवाई पद्मनाभसिंह ने चौथे चक्कर में एक गोल किया। मैच के अम्पायर अर्जेन्टीना के निकोलस स्क्रोटीचीनी व उदय कलान थे। रैफरी धनंजयसिंह व कांमेन्ट्री राजवी शैलेन्द्रसिंह व अंकुर मिश्रा ने सम्मिलित रूप से की।

पाली संभाग निरस्त करने का विरोध किया

पाली, (नि.सं.)। भजनलाल सरकार ने कांग्रेस सरकार के समय बने नए जिलों में से 9 जिलों और 3 संभागों को खत्म करने का फैसला लिया है। साथ ही पाली, सीकर, बांसवाड़ा संभाग भी खत्म कर दिए गए हैं। राज्य सरकार के निर्णय के बाद राजस्थान में 50 जिलों की संख्या घटकर 41 रह जाएगी। वहीं 10 संभाग की जगह 7 संभाग ही अस्तित्व में रहेंगे।

कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी ने भी फैसले पर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता के साथ छल करने का काम किया है। ऐसे में अब पालीवासियों को फिर से अपने प्रशासनिक और पुलिस के कामों के लिए जोधपुर शहर जाना पड़ेगा।

दरअसल पाली को संभाग का दर्जा देने के बाद संभागीय आयुक्त, आईजी बैठने लगे थे। नगर परिषद को नगर निगम बनाया गया था। पाली को जोधपुर की तरह महानगर बनने की संभावना बढ़ गई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने मंत्री लेवल की बैठक में फैसला लेकर 9 जिले और 3 संभाग खत्म कर दिए।

स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि सरकार के निर्णय के बाद नगर निगम का दर्जा हटाने को लेकर भी आशंका बढ़ गई है। सरकार ने जनता पर बोझ डालने का काम किया है।

बता दें कि पाली को संभाग का दर्जा मिलने के बाद यहां संभागीय आयुक्त का ऑफिस डाक बंगले में शुरू हुआ था। संभागीय आयुक्त के रूप में प्रतिभा सिंह, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त के रूप में हरफूल सिंह यादव सहित पूरा स्टाफ बैठना शुरू हुआ था।

आईजी ऑफिस भी पाली के टैगोर नगर में स्थापित किया गया। आईजी प्रदीप मोहन शर्मा बैठने लगे और पूरा ऑफिस स्टाफ लगाया गया। इसी तरह जलदाय विभाग सहित अन्य कई ऑफिसों में संभागीय स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति हुई। पाली का संभाग खत्म करने से संभाग स्तर पर अधिकारियों को अन्य स्थानों पर भेजा जा सकता है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष बोले कि भाजपा सरकार हर मुद्दे पर फेल मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजीज दर्द का कहना है कि जनता के साथ कुठाराघात करने का काम भाजपा सरकार ने किया है। भाजपा सरकार हर मुद्दे पर फैल हुई है। जनहित में सरकार को यह फैसला वापस लेना चाहिए।

कांग्रेस नेता जबरसिंह राजपुरोहित ने कहा कि पाली के संभाग स्तर का दर्जा समाप्त करने की कीमत भाजपा सरकार को चुनाव में चुकानी पड़ेगी। पाली की जनता ने भाजपा को छह में से पांच सीटें जीत कर दी और उस जनता के साथ भाजपा सरकार ने कुठाराघात करने का काम किया है।

पूर्व छात्रसंघ जिलासंयोजक विकास राठौड़ ने बताया कि संभाग से पाली को नगरनिगम ओर यूनिवर्सिटी जैसी सुविधाएं मिल सकती थी।

कांग्रेस नेता महावीरसिंह सुकरलाई ने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि पाली भी अब जोधपुर के जैसे संभाग स्तर शहर बनेगा। यहां प्रशासनिक और पुलिसिंग सुविधाएं संभाग स्तर की विकसित होगी। शहर का विकास उस स्तर का होगा लेकिन सरकार ने पाली का संभाग दर्जा खत्म कर जनता के सपनों पर पानी फेर दिया।